मन मोहन मूरत तेरी प्रभु, मिल जाओगे आप कहीं ना कहीं यदि चाह हमारे दिल में है, तूम्हे ढुंढ ही लेंगे Bhajans Bhakti Songs

मन मोहन मूरत तेरी प्रभु, मिल जाओगे आप कहीं ना कहीं
यदि चाह हमारे दिल में है, तूम्हे ढुंढ ही लेंगे कहीं ना कहीं

काशी मथुरा व़न्दावन में.....या अवधपुरी की गलियन में,
गंगा यमुना सरयू तट पर, मिल जाओगे आप कहीं ना कहीं
मन मोहन मुरत...

घर बार को छोड संयासी हुए, ... सबको परित्याग उदासी हुए
छानेगें बन बन खाक तेरी, मिल जाओगे आप कहीं ना कहीं
मन मोहन मुरत....

सब भक्त तुम्ही को घेरेंगे.... तेरे नाम की माला फेरेंगे
जब आप ही खूद सरमाओगे, हमे दर्शन दोगे कहीं ना कहीं

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw